समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 10 September 2026

भारत की इत्र राजधानी कन्नौज मे इंनोवेशन की नई उड़ान, देसी खुशबुओं को मिल रही ग्लोबल पहचान

Publisher

Published on 29 Sep 2025

भारत की 'इत्र राजधानी' के नाम से मशहूर कन्नौज में परंपरागत इत्र उद्योग इनोवेशन के नए आयाम छू रहा है। यह शहर वर्षों से गुलाब, चमेली और अन्य नेचुरल ऑयल्स से बने इत्र के लिए प्रसिद्ध है। अब तकनीकी नवाचार और अंतरराष्ट्रीय ट्रेंड्स के समावेश से कन्नौज के इत्र उद्योग ने वैश्विक पहचान हासिल करना शुरू कर दिया है।

परफ्यूम और इत्र मे अंतर

कन्नौज के उद्योग विशेषज्ञ बताते हैं कि परफ्यूम और इत्र में बड़ा अंतर है। परफ्यूम आम तौर पर अल्कोहल पर आधारित होते हैं, जबकि इत्र में प्राकृतिक तेलों का उपयोग किया जाता है। कन्नौज के मास्टर ब्लेंडर्स इन प्राकृतिक तेलों का मिश्रण कर ऐसे सुगंधित इत्र तैयार करते हैं जो शुद्धता और लंबे समय तक खुशबू बनाए रखने की क्षमता रखते हैं।

कन्नौज का इत्र बाजार

कन्नौज के बड़े बाजार में कदम रखते ही ऐसा महसूस होता है जैसे खुशबुओं की दुनिया में आ गए हों। यहां पर मिट्टी की हल्की खुशबू से लेकर गुलाब और चमेली की प्राचीन सुगंध तक, हर प्रकार का इत्र उपलब्ध है। छोटे-छोटे कांच के सीलबंद डिब्बों में रखा यह इत्र Dior, Chanel और Giorgio Armani जैसे अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स की याद दिलाता है।

इनोवेशन और ग्लोबल पहचान

कन्नौज के युवा उद्यमी और पारंपरिक कलाकार मिलकर इत्र उद्योग में नई तकनीक और डिजाइन ला रहे हैं। अब इत्र में फ्लेवर फ्यूजन, आधुनिक पैकेजिंग और डिजिटल मार्केटिंग का प्रयोग हो रहा है। इसका परिणाम यह है कि भारतीय इत्र अब केवल घरेलू बाजार तक सीमित नहीं, बल्कि यूरोप, अमेरिका और एशिया के अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी लोकप्रिय हो रहा है।

स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय मांग

स्थानीय लोगों के लिए कन्नौज का इत्र पारंपरिक उत्सवों और धार्मिक अवसरों का अभिन्न हिस्सा है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसके प्राकृतिक और शुद्ध गुण इसे खास बना रहे हैं। कई विदेशी ब्रांड कन्नौज के इत्र के साथ साझेदारी कर रहे हैं और देसी खुशबू को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार पैकेज कर रहे हैं।

परंपरा और आधुनिकता का संगम

कन्नौज के इत्र उद्योग में परंपरा और आधुनिकता का अनोखा संगम देखने को मिलता है। पुरानी तकनीकों जैसे हाथ से मिश्रण और पुराने गंध संयंत्र के साथ-साथ आधुनिक उपकरणों का प्रयोग भी किया जा रहा है। इससे इत्र की गुणवत्ता बढ़ती है और उत्पादन में वृद्धि होती है।

कन्नौज के इत्रकारों की प्रेरणा

स्थानीय इत्रकारों का कहना है कि उनका उद्देश्य केवल व्यवसाय करना नहीं है, बल्कि भारतीय खुशबू और परंपरा को दुनिया के सामने लाना है। यह शहर अपने शुद्ध, प्राकृतिक और हस्तनिर्मित इत्र के लिए जाना जाता है और इनोवेशन इसे और भी आकर्षक बना रहा है।

भविष्य की दिशा

कन्नौज के इत्र उद्योग में आने वाले वर्षों में और अधिक नवाचार की संभावना है। युवा उद्यमी अंतरराष्ट्रीय बाजार की मांग के अनुसार नए प्रकार के इत्र तैयार कर रहे हैं। इसके साथ ही, डिजिटल प्लेटफॉर्म और ई-कॉमर्स के माध्यम से देसी इत्र अब आसानी से दुनिया के किसी भी कोने में पहुँचाया जा सकता है।

कन्नौज अब केवल भारत की इत्र राजधानी नहीं, बल्कि देसी खुशबू की वैश्विक पहचान का केंद्र बनता जा रहा है। परंपरागत गुलाब, चमेली और मिट्टी की खुशबू से लेकर अंतरराष्ट्रीय मानकों वाले आधुनिक इत्र तक, यह शहर खुशबू की दुनिया में एक नई उड़ान भर रहा है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.